DEPARTMENT OF HINDI
ALIGARH MUSLIM UNIVESITY, ALIGARH

SYLLABUS OF ADMISSION TEST FOR M.Phil/ Ph.D. IN HINDI

SESSION 2018-19

निर्देश : Section-B के भाग-एक में से एक-एक अंक के बीस बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जाएँगे। सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे। भाग-दो में दिए गए पाठ्यक्रम के पाँच खंड हैं। प्रत्येक खंड से चार-चार अंक के आठ प्रश्न पूछे जाएँगे। परीक्षार्थी को किसी एक ही खंड का चयन कर, उसके किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर देने होंगे।

Section–B

भाग–एक 1 x 20 = 20

हिंदी भाषा और उसका विकास

अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिंदी का संबंध, हिंदी की बोलियाँ : वर्गीकरण तथा क्षेत्र; साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ीबोली का उदय और विकास; नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण।

हिंदी साहित्य : विकासक्रम और प्रवृत्तियाँ

प्रमुख इतिहासग्रंथ; प्रमुख साहित्यिक केंद्र, संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ; कालविभाजन और नामकरण।

आदिकाल : रासो, जैन, सिद्ध और नाथ साहित्य; अमीर खुसरो की हिंदी कविता; विद्यापति और उनकी पदावली।

भक्तिकाल : निर्गुण एवं सगुण संप्रदाय; आलवार संत; प्रमुख दार्शनिक संप्रदाय।

संतकाव्य : संतकाव्य की प्रवृत्तियाँ; प्रमुख कवि : कबीर, नानक, दादू, रैदास।

सूफीकाव्य : सूफी काव्य की प्रवृत्तियाँ; प्रमुख कवि और उनका काव्य : मुल्ला दाऊद (चांदायन), कुतुबन (मृगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत)।

कृष्णभक्ति काव्य : विविध संप्रदाय, अष्टछाप के कवि और उनके काव्य की प्रवृत्तियाँ, भ्रमरगीत परंपरा, मीराँ और रसखान के काव्य की प्रवृत्तियाँ।

रामभक्ति काव्य : प्रमुख कवि और उनका काव्य; तुलसीदास की कृतियाँ, काव्य रूप; तुलसीदास का महत्त्व।

रीतिकाल : प्रमुख प्रवृत्तियाँ; कवियों का आचार्यत्व; रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराएँ; प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ : केशवदास, मतिराम, पद्माकर, बिहारीलाल और घनानंद।

आधुनिक कविता

भारतेंदु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, व्यंग्य काव्य; खड़ीबोली काव्य का स्वरूप।

द्विवेदी युग : महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग; हिंदी नवजागरण और 'सरस्वती'; मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा; स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि।

छायावाद : छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ; छायावाद के प्रमुख कवि : प्रसाद, निराला, पंत और महादेवी।

उत्तर छायावादी : प्रमुख कवि और उनके काव्य की प्रवृत्तियाँ।

प्रगतिवाद : नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, शमशेरबहादुर सिंह, त्रिलोचन और मुक्तिबोध के काव्य का परिचय।

प्रयोगवाद और नयी कविता : अज्ञेय, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, रघुवीर सहाय, भवानीप्रसाद मिश्र के काव्य का परिचय।

कथासाहित्य, नाटक, निबंध और आलोचना

प्रेमचंदपूर्व उपन्यास; प्रेमचंद और उनका युग; प्रेमचंद के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : जैनेंद्र, अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, निर्मल वर्मा, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रज़ा, मन्नू भंडारी।

हिंदी कहानी : उद्भव और विकास।

हिंदी नाटक का विकासक्रम और प्रमुख नाट्यकृतियाँ : अंधेर नगरी, चंद्रगुप्त, अंधायुग, आधे-अधूरे।

प्रमुख निबंधकार : बालकृष्ण भट्ट, रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, हरिशंकर परसाई।

हिंदी आलोचना का विकास और प्रमुख आलोचक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेंद्र, रामविलास शर्मा।

14/8/18

भाग–दो 4 x 5 = 20

(क) भाषा विज्ञान, हिंदी भाषा एवं प्रयोजनमूलक हिंदी

भाषा विज्ञान : सामान्य परिचय एवं भेद (ध्वनिविज्ञान, शब्दविज्ञान, अर्थविज्ञान, वाक्यविज्ञान), भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियां।

हिंदी भाषा : अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिंदी का संबंध, हिंदी की बोलियाँ : वर्गीकरण तथा उनका क्षेत्र; साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ीबोली का उदय और विकास; मानक भाषा, नागरी लिपि, हिंदी के प्रचार-प्रसार के आंदोलन, प्रमुख व्यक्तियों तथा संस्थाओं का योगदान।

प्रयोजनमूलक हिंदी : राजभाषा के रूप में हिंदी, प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावसायिक स्वरूप, कार्यालयी पत्राचार, पारिभाषिक शब्दावली : वर्गीकरण एवं निर्माण के सिद्धांत; प्रशासन, विधि एवं वाणिज्य संबंधी शब्दावली; अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार।

(ख) आदिकालीन एवं मध्यकालीन साहित्य

आदिकाल : हिंदी साहित्य का आरंभ; रासक एवं रासो-साहित्य; आदिकालीन हिंदी का जैन-साहित्य; सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य; अमीर खुसरो की हिंदी कविता; विद्यापति और उनकी पदावली।

भक्तिकाल : भक्ति-आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक कारण; वैष्णव भक्ति की सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि; आलवार संत; प्रमुख दार्शनिक संप्रदाय और उनके आचार्य।

संतकाव्य : संतकाव्य का वैचारिक आधार; प्रमुख निर्गुण संत कवि : कबीर, नानक, दादू, रैदास; संतकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

सूफीकाव्य : सूफी काव्य का वैचारिक आधार; प्रमुख सूफी कवि और उनका काव्य : मुल्ला दाऊद (चांदायन), कुतुबन (मृगावती), मंझन (मधुमालती), मलिक मुहम्मद जायसी (पद्मावत); सूफी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां।

कृष्णभक्ति काव्य : विविध संप्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्णभक्त कवि और उनका काव्य : सूरदास (सूरसागर), नंददास (रास पंचाध्यायी); भ्रमरगीत परंपरा; गीति-परंपरा और कृष्णकाव्य : मीरा और रसखान।

रामभक्ति काव्य : विविध संप्रदाय; रामभक्ति शाखा के कवि और काव्य; तुलसीदास की प्रमुख कृतियाँ, काव्यरूप; तुलसीदास का महत्त्व।

रीतिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य; रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ; रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व; रीतिबद्ध काव्यधारा, रीतिसिद्ध काव्यधारा; रीतिमुक्त काव्यधारा; रीतिकाल के प्रमुख कवि : केशवदास, मतिराम, बिहारीलाल, पद्माकर और घनानंद।

(ग) आधुनिक हिंदी कविता

भारतेन्दुयुग : आधुनिकता की अवधारणा, नवजागरण और भारतेन्दुयुगीन कविता, प्रमुख प्रवृत्तियाँ

द्विवेदीयुग : परिचय, प्रवृत्ति, योगदान एवं प्रमुख कवि, हिंदी नवजागरण एवं 'सरस्वती', मैथिलीशरण गुप्त एवं राष्ट्रीय काव्यधारा

छायावाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ; छायावाद के प्रमुख कवि : जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सुमित्रानंदन पंत और महादेवी वर्मा।

उत्तरछायावादी काव्य : पृष्ठभूमि, विकास, विशेषताएँ एवं प्रमुख कवि

प्रगतिवाद : प्रमुख विशेषताएँ और कवि : नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल, शमशेरबहादुर सिंह, त्रिलोचन शास्त्री, गजानन माधव मुक्तिबोध

प्रयोगवाद और नयी कविता : प्रमुख विशेषताएं और कवि : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय : सर्वेश्वरदयाल सक्सेना रघुवीर सहाय

समकालीन कविता : प्रमुख विशेषताएँ और कवि : केदारनाथ सिंह, अरुण कमल, राजेश जोशी

DEPARTMENT OF HINDI ... 2018-19

14/8/18

(घ) हिंदी साहित्य की गद्य विधाएँ

हिंदी गद्य का उद्भव

उपन्यास : प्रेमचंदपूर्व हिंदी उपन्यास; प्रेमचंद और उनका युग; प्रेमचंद के परवर्ती प्रमुख उपन्यासकार : जैनेंद्र, यशपाल, अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, निर्मल वर्मा, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रज़ा, कृष्णा सोबती, भीष्म साहनी, मन्नू भंडारी, कमलेश्वर, जगदीशचन्द्र, अब्दुल बिस्मिल्लाह

कहानी : हिंदी कहानी : उद्भव और विकास; प्रमुख आंदोलन; प्रमुख कहानीकार : प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, यशपाल, अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, निर्मल वर्मा, मोहन राकेश, कमलेश्वर, राजेन्द्र यादव, ज्ञानरंजन, उदय प्रकाश।

नाटक : हिंदी नाटक और रंगमंच; हिंदी नाटक का विकासक्रम और प्रमुख नाट्यकृतियाँ एवं नाटककार; हिंदी एकांकी एवं नुक्कड़ नाटक

निबंध : हिंदी निबंध का विकासक्रम और प्रमुख निबंधकार ।

अन्य गद्य विधाएं : रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा-साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोर्ताज।

(ङ) आलोचना एवं साहित्यशास्त्र

हिंदी आलोचना का विकास : हिंदी आलोचना की पृष्ठभूमि; विकास के चरण : शुक्लपूर्व आलोचना, शुक्लयुगीन आलोचना, समकालीन हिंदी आलोचना।

हिंदी आलोचना के विविध रूप : ऐतिहासिक आलोचना, तुलनात्मक आलोचना, निर्णयात्मक आलोचना, स्वच्छंदतावादी आलोचना, सौंदर्यशास्त्रीय आलोचना, मार्क्सवादी आलोचना।

प्रमुख आलोचक : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, नामवर सिंह।

भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य-गुण, काव्य-दोष, शब्द-शक्ति; प्रमुख अलंकार (अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, भ्रांतिमान, अन्योक्ति, दृष्टांत, निदर्शना, विभावना)

प्रमुख संप्रदाय :

रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य संप्रदाय; भरतमुनि का रससूत्र एवं उसके प्रमुख व्याख्याकार; रसनिष्पत्ति और साधारणीकरण के सिद्धांत।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र :

प्लेटो (अनुकरण, कलासंबंधी मान्यताएँ), अरस्तू (अनुकरण एवं विरेचन सिद्धांत), क्रोचे (अभिव्यंजनावाद), वर्ड्सवर्थ (स्वच्छंदतावाद), कॉलरिज (कल्पना-सिद्धांत), टी.एस. इलियट (निर्वैयक्तिकता), आई.ए. रिचर्ड्स (मूल्य सिद्धांत)

सिद्धांत : फैंटेसी, कल्पना, प्रतीक और बिंब, यथार्थवाद, संरचनावाद और उत्तरआधुनिकता (सामान्य परिचय)

14/8/18

(प्रो. अब्दुल अलीम)

Chairman

अध्यक्ष

Department of Hindi

हिंदी विभाग

Aligarh Muslim University

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी

Aligarh

अलीगढ़